ओम् शान्ति

18 अगस्त2014 ओआरसी (दिल्ली)

परम आदरणीया गुल्ज़ार दादी जी ने किया अपने कमल हस्तों द्वारा भव्य झांकियों व जौलीवुड़ स्टुडियो का उद्घाटन

प्राण प्यारे अव्यक्तमूर्त बापदादा जी के अति स्नेही सर्व ब्राह्माण कुल भूषण भाई बहनों को ओआरसी से स्नेह सम्पन्न मधुर याद एवं एक बार फिर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं।

बाद समाचार कि हम सभी को ज्ञात है कि आदरणीया गुल्ज़ार दादी जी एक सप्ताह से ओआरसी में हैं जो बहुत ही सौभाग्य की बात है। 17 अगस्त सांय 8 बजे दादी जी ने ओआरसी में हर वर्ष की भाँति लगााई गई सुन्दर झांकियों का अपने कमल हस्तों द्वारा उद्घाटन किया। अपने वरदानी शब्दों द्वारा झांकियों का रहस्य स्पष्ट करते हुए दादी ने कहा कि ये जो झांकियां आज सजाई गई हैं यह हमारे ही भविष्य का यादगार है, हमें इन्हें देख सिर्फ खुश नहीं होना परन्तु ईश्वरीय ज्ञान और योग के माध्यम से पुनः अपना ऐसा श्रेष्ठ जीवन बनाना है। हज़ारों की संख्या में झांकियों का अवलोकन करने आए हुए सभी आगंतुको का दादी जी ने धन्यवाद करते हुए कहा कि अगर आप अपना जीवन ऐसा बनाना चाहते हैं तो यहाँ आकर आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करें। इसके साथ–2 वरिष्ठ भ्राता बृजमोहन भाई साहब ने भी झांकियों के रहस्य पर प्रकाश डालते हुए अपनी शुभकामनाएं दी।

मीडिया के माध्यम से अनेक आत्माओं को बाबा का दिव्य संदेश मिले बाबा की इस प्रेरणा को साकार करते हुए ओआरसी में भ्राता बृजमोहन भाई साहब के शुभ संकल्प से एक स्टुडियो का निर्माण किया गया जिसका 18 अगस्त दोपहर 12 बजे आदरणीया दादी जी व भ्राता बृजमोहन जी ने रिबन काटकर व नारियल तोड़कर उद्घाटन व नाम करण किया।

स्टुडियो के प्रति आपनी शुभ–कामनाएं देते हुए दादी जी ने कहा कि इस स्टुडियो से बहुत सेवा होगी यहाँ से हर कोई प्रेरणा लेकर जाएगा। जो भी यूथ यहाँ सेवा करें वह सेवा करने से पहले बाबा से शक्ति लेकर फिर सेवा करें तभी सहज सफलता मिलेगी। योग से ही सेवाओं का प्रभाव पड़ेगा। दादी जी की सभी के प्रति एक ही शुभ आशा है कि सभी खुश रहें और खुशियाँ बाँटे इस आधार पर दादी जी ने इस स्टुडियो का नाम करण किया जौलीवुड़ स्टुडियो, जौली अर्थात खुशनुमः।

आदरणीय बृजमोहन भाई साहब ने भी आपनी शुभकामनाएं दी और बताया कि यहाँ से होने वाले कार्यक्रम या प्रोग्राम 'पोइन्ट ऑफ व्यु' के नाम के अन्तर्गत किए जायेंगे। बाबा के इस अलौकिक ज्ञान का सार ही है पोइन्ट बनना।

ओम् शान्ति